

वकीलों की वाद विवाद प्रतियोगिता, प्रसून रहे विजेता, सीजे सिन्हा ने किया सम्मानित

हाई कोर्ट की रजत जयंती पर हुई प्रतियोगिता, दीक्षा दूसरी व इशिता रहीं तीसरी

लीगल रिपोर्टर, बिलासपुर | हाई कोर्ट की रजत जयंती वर्षगांठ की शुरुआत शुक्रवार को अधिवक्ताओं की वाद-विवाद प्रतियोगिता से हुई। हाई कोर्ट के ऑडिटोरियम सभागार में नैतिक मूल्यों से समझौता किए बिना क्या एआई न्याय को अधिक प्रभावी बना सकती है?" प्रतियोगिता के विजेता अधिवक्ता प्रसून भादुड़ी रहे। जबकि दीक्षा गौरहा दूसरे और इशिता तीसरे स्थान पर रहीं। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने विजेताओं को सम्मानित किया। प्रतिभागियों ने जहां एआई से कार्यकुशलता और डेटा प्रबंधन में सुधार की संभावनाएं बताईं, वहीं पारदर्शिता, निष्पक्षता, जवाबदेही और न्यायिक निर्णय में मानव हस्तक्षेप की अहमियत जैसे नैतिक पहलुओं पर भी जोर दिया।



मंच पर सीजे सिन्हा, जस्टिस अग्रवाल व जस्टिस साहू।

संवाद व पेशेवर विकास का अवसर: सीजे

इस मौके पर सीजे सिन्हा ने कहा कि रजत जयंती वर्ष केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि कानूनी संवाद, पेशेवर विकास और आधुनिक चुनौतियों पर गंभीर विमर्श का माध्यम भी है।